No. of Printed Pages : 8

BPY-003

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(BDP) (PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2020

BPY-003 : ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY : ANCIENT AND MEDIEVAL WESTERN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the five questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answer to Question Nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

---

1. Explain the unique features of the philosophy of Socrates. 20

Or

Establish the relation between Plato's theory of ideas and his theory of knowledge.

2. Write an essay on the various aspects of Aristotle's metaphysics. 20

Or

Examine the discussion on the relation between faith and reason by Augustine and Aquinas.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

(a) What is Philosophy ? Enunciate its scope and importance. 10

(b) What are the prominent teachings of pre-Socratic philosophers that laid foundations of western philosophy ? Discuss. 10

(c) Critically evaluate the impact of the philosophy of Plotinus on later philosophy and religion. 10

(d) Explain Aquinas's five ways for proving the existence of God. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each : 5 each

(a) Why aesthetics is treated as a philosophical discipline ? Describe.

(b) What is the uniqueness of the scholastic method ?

(c) Write a short note on Heraclitus.

(d) What are the important teachings of cynicism ?

(e) Describe briefly the Epicurean philosophy.

(f) What are the characteristics of Jewish philosophy ?

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Skepticism

(b) Empiricism

(c) Atomism

(d) Protagoras

(e) Stoicism

(f) Intellectual and moral virtues

(g) Seminal reasons

(h) Averroes

BPY-003

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

बी.पी.वाई.-003 : ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन : प्राचीन एवं मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*ii*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(*iii*) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

---

1. सुकरात के दर्शन के विशिष्ट लक्षणों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

प्लेटो के प्रत्यय सिद्धान्त और उनके ज्ञान के सिद्धान्त के मध्य सम्बन्ध स्थापित कीजिए।

2. अरस्तू की तत्त्वमीमांसा के विभिन्न पक्षों पर एक निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

अस्था और तर्क के मध्य सम्बन्ध के सन्दर्भ में ऑगस्टीन और एक्वीनास के मध्य हुए विमर्श का परीक्षण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 200 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) दर्शनशास्त्र क्या है ? इसके महत्व एवं विषयक्षेत्र पर प्रकाश डालिए।

(ख) पाश्चात्य दर्शन की नींव डालने वाले पूर्व-सुकरातीय दर्शनशास्त्रियों की मुख्य शिक्षाएँ क्या हैं ? चर्चा कीजिए।

(ग) प्लोटिनस के दर्शन का उनके बाद के दर्शन एवं धर्म पर पड़ने वाले प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(घ) ईश्वर की सिद्धि में एक्वीनास द्वारा प्रस्तुत पाँच प्रकार के प्रमाणों की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) सौन्दर्यशास्त्र को दार्शनिक विषय क्यों माना जाता है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) स्कॉलस्टिक पद्धति की क्या विशिष्टता है ?

(ग) हेराक्लाइटस पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(घ) सिनिसिज्म (Cynicism) की मुख्य मान्यताएँ क्या हैं ?

(ङ) एपिक्यूरियन दर्शन का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(च) यहूदी दर्शन की क्या विशेषताएँ हैं ?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर (प्रत्येक) लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) संशयवाद

(ख) अनुभववाद

(ग) परमाणुवाद

(घ) प्रोटागोरस

(ङ) स्तोइकवाद

(च) बौद्धिक और नैतिक सद्गुण

(छ) आधारभूत सिद्धान्त

(ज) एविरोज